मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 225 ■ शुक्रवार, 29 नवंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

ठाणे जिले में कड़ाके की ठंड

उल्हासनगर. ठाणे जिले में दो दिनों से तापमान गिर रहा है और कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है. बुधवार को जिले में बदलापुर में सबसे कम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया. इस सीजन में नवंबर में यह सबसे कम तापमान दर्ज किया गया।

विधानसभा चुनाव के बाद जहां राजनीतिक माहौल गरमा रहा है, वहीं वातावरण में उमस और गर्मी कम हो गई है और हवा में ठंडक महसूस होने लगी है. इस पूरे सप्ताह के दौरान वातावरण में तापमान में कमी आई और बुधवार (27 तारीख) को सुबह चार से छह बजे के आसपास तापमान में और कमी महसूस की गई. इस समय बदलापुर शहर का तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

मौसम विभाग के शोधकर्ता अभिजीत मोडक के मुताबिक, उत्तर-पूर्व से आ रही शुष्क और ठंडी हवा के कारण वातावरण में नमी अचानक लगभग 30 फीसदी कम हो गई है.

नतीजतन, बदलापुर में बुधवार को पूरे एमएमआर क्षेत्र में इस सीजन के नवंबर महीने में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। मोडक के अध्ययन के अनुसार, यह गुलाबी ठंड लगभग 30 नवंबर तक ऐसी ही रहेगी और इन तीन दिनों के दौरान तापमान और भी कम दर्ज किया जा सकता है।

एमएमआर क्षेत्र के शहरों का तापमान

बदलापुर	12.6 डि.से.
कर्जत	12.7 डि.से.
अम्बरनाथ	13.5 डि.से.
पनवेल	14 डि.से.
उल्हासनगर	14.5 डि.से.
कल्याण	14.9 डि.से.
पालघर	15.2 डि.से.
डोंबिवली	15.4 डि.से.
नवी मुंबई	16 डि.से.
विरार	16.4 डि.से.
ठाणे	16.6 डि.से.
मुंबई	17.6 डि.से.

■ समुद्री निम्न दबाव का प्रभाव

अभिजीत मोडक ने संभावना जताई है कि समुद्र में कम दबाव की बेल्ट बनने से 1 दिसंबर से ठंड फिर से कम हो जाएगी और पूरे हफ्ते मौसम में बादल छाए रहेंगे. उन्होंने बताया कि इसके बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह से ठंड फिर बढ़ेगी और उसके बाद दिसंबर और जनवरी में ठंड का मौसम रहेगा और तापमान कम रहेगा।

उल्हासनगर-अंबरनाथ में भी आग तापने को मजबूर लोग

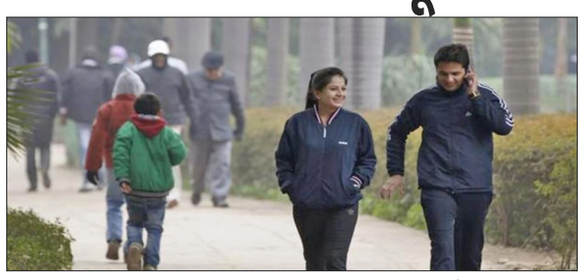

■ अंबरनाथ में तापमान 13.5 व उल्हासनगर में 14.5 डिग्री सेल्सियस तापमान

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ व उल्हासनगर में भी तापमान में गिरावट आने से गुरुवार को अंबरनाथ का तापमान 13.5 एवं उल्हासनगर का तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. सुबह में 4 से 7 बजे के बीच ठंड अधिक बढ़ जाती है. ठंड बढ़ने से लोग सुबह के वक्त स्वेटर पहनकर निकल रहे हैं. वातावरण में उष्णता कम होकर हवा ठंडी हो गई है. आने वाले 4 -5 दिनों तक ठंड और बढ़ सकती है.

सुबह के वक्त गली कूचों एवं चौक पर आग तापते लोग नजर आ रहे हैं. सुबह में लोग भी कम ही घरों से निकल रहे हैं. दरवाजे खिड़कियां पूरी तरह बंद करके लोग सो रहे हैं. नवंबर में इतनी टंड है तो दिसंबर में ठंडी का आलम क्या होगा, ऐसा लोग कह रहे हैं.

उल्हासनगर में बिना अनुमति बैनर-होर्डिंग लगाने वालों पर गिरेगी गाज

■ होर्डिंग धारकों के नाम कोर्ट में सौंपे जाएंगे

■ मनपा आयुक्त का आक्रामक रुख

उल्हासनगर. उच्च न्यायालय के आदेश को लागू करते हुए उल्हासनगर मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने बिना अनुमति के पोस्टर, बैनर लगानेवाले धारकों के नाम अदालत में पेश करने के लिए आक्रामक रुख अपनाया है। 18 नवंबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने शहर में बिना अनुमति के बैनर-पोस्टर लगाने वालों पर कार्रवाई करने और ऐसे तख्तियां प्रदर्शित करने वाले व्यक्तियों/ राजनीतिक दलों/ संगठनों के बारे में कोर्ट को जानकारी देने का आदेश दिया है.

तदनुसार, आयुक्त विकास ढाकने ने ऐसे अनधिकृत होर्डिंग, पोस्टर, बैनर धारकों पर चंगुल कसने के लिए अधिकारियों के साथ एक तत्काल बैठक आयोजित की, इसमें अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी, मनीष हिवरे, सलोनी निवकर, बाजार प्रमुख अलका पवार शामिल थे।

इस बैठक में लाइसेंस विभाग के विनोद केने, विधि अधिकारी राजा बुलानी और अन्य उपस्थित थे, सभी सहायक आयुक्तों को अपने अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत होर्डिंग लगाने वालों के खिलाफ निर्देशित किया गया. ढाकने ने सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं. साथ ही इस तरह से बोर्ड प्रदर्शित करने से शहर की छवि खराब न हो, इसके लिए नीति तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, बोर्ड आधिकारिक तौर पर प्रदर्शित किए जाएं, बोर्ड का आकार एक समान हो और नगर निगम को इससे राजस्व प्राप्त हो.

इसके साथ ही शहर के प्रमुख राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को भी लिखित पत्र देकर बिना अनुमति के बोर्ड न लगाने की सलाह दी गई है। इसी तरह शहर में बैनर-पोस्टर छापने वाले प्रिंटर/प्रेस के मालिकों को भी चेतावनी दी गई है बिना अनुमति के बोर्ड लगाना।

शहापुर में बढ़ी तेंदुओं की आवाजाही

■ संभावित गांवों में सोलर फेंसिंग

■ शहापुर वन विभाग का पायलट प्रोजेक्ट

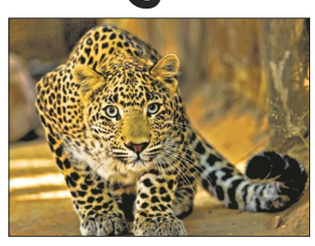

कल्याण. ठाणे जिले के शहापुर तालुका में तेंदुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। एकांत घरों में लोगों को और पशुधन को तेंदुए का खतरा अधिक रहता है. शहापुर वन विभाग ने ऐसे संवेदनशील एकांत खेतों और घरों के चारों ओर सौर बाड़ लगाने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट प्रस्ताव तैयार किया है। आवश्यक सरकारी मंजूरी मिलने के बाद परियोजना को लागू किया जाएगा।

ठाणे जिले के मुरबाड, शहापुर, कल्याण, भिवंडी, मालेशज, कसारा घाट इलाकों में तेंदुए बढ़ गए हैं। पहले भी जंगल में लकड़हारे, वन उपज इकट्ठा करने वाले किसानों, चरवाहों, बकरी चराने वालों पर तेंदुओं द्वारा हमला करने की घटनाएं होती रही हैं। तेंदुओं और इंसानी बस्तियों के बीच ये संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है. भोजन की तलाश में तेंदुए अक्सर रात के समय गांव की सीमा में स्थित गौशालाओं में आ जाते हैं और मवेशियों और आवारा कुत्तों पर हमला कर देते हैं। समय रहते इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए, शहापुर वन विभाग ने जीवन और पशुधन के नुकसान को रोकने के लिए शाहपुर तालुक में तेंदुओं के निवास स्थान, कुछ गांवों में अलग-अलग घरों और चालू मार्गों की पहचान की है। इन घरों के क्षेत्र को तेंदुओं की आवाजाही के कारण संवेदनशील घोषित किया गया है। वन विभाग ने संवेदनशील घरों के चारों ओर सौर बाड़ लगाने का फैसला किया है ताकि अगर कोई तेंदुआ ऐसे एकांत आवास में प्रवेश करता है, तो उसे सुरक्षित रूप से और बिना किसी परेशानी के पकड़ा जा सके। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है.

इस पायलट प्रोजेक्ट से तेंदुओं या वन्यजीवों को कोई नुकसान नहीं होगा। इस प्रोजेक्ट में इस बात का खास ख्याल रखा गया है कि उनकी जान को कोई खतरा न हो. हाल ही में एकांत घर क्षेत्र में तार की बाड़ बनाने में दो से ढाई लाख का खर्च आता है। वहीं, अगर आप सौर ऊर्जा के जरिए सोलर बाड़ बनाने की कोशिश करते हैं तो इसमें सरकारी वित्तीय सहायता से 30 हजार रुपये का खर्च आता है. ऐसे में तेंदुओं और इंसानों के बीच संघर्ष को रोकने के लिए लागू किया गया शाहपुर वन विभाग का यह प्रस्ताव आदर्श साबित होने की संभावना है.

■ 75 फीसदी सरकारी सब्सिडी

सौर बाड़ प्रस्ताव के अनुसार, यदि एक एकड़ कृषि क्षेत्र में घर, पशु शेड है, तो इसकी सुरक्षा के लिए 30,000 रुपये का खर्च आता है। इस फंड का 75 फीसदी हिस्सा सरकारी सब्सिडी के जरिए किसान को दिया जाएगा. इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए शेष 25 प्रतिशत राशि किसान को स्वयं जुटानी होगी। इस परियोजना के लिए कोई नियमित रखरखाव लागत नहीं होगी। सुनसान इलाके में स्थित घर जहां तेंदुए घूमते हैं, गौशाला की बाड़बंदी की जाएगी। उस बाड़ के अंदर सोलर पैनल लगाए जाएंगे. सौर पैनलों द्वारा उत्पादित सौर बिजली को बैटरी से बाड़ में छोड़ा जाएगा। अचानक, दिन में, रात में, अन्य जंगली जानवर या तेंदुए भोजन के लिए एकांत घर क्षेत्र में आ जाते हैं। अगर यह सोलर पैनल को छूएगा तो वन्यजीव या तेंदुए को झटका लगेगा और साथ ही सोलर सिस्टम बीप करने लगेगा। झोंपड़ी से तेंदुआ भाग जाएगा और भोंगा किसान को जगा देगा। वन अधिकारी ने कहा कि इस परियोजना से तेंदुए को सुरक्षित रहने में मदद मिलेगी और किसान का परिवार और पशुधन अलग-थलग होने पर भी सुरक्षित रह सकेंगे।

अंबरनाथ में भीषण सड़क दुर्घटना पिता की मौत, पुत्र गंभीर घायल

■ डंपर व बाइक की टक्कर

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के चिखलोली परिसर में एमआईडीसी की लापरवाही के कारण एक भयंकर दुर्घटना हुई है, जिसमें बाइक पर डबल सीट बैठे पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है, तो बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है. उसका उपचार चल रहा है. गुरुवार को दोपहर 11.15 बजे की ये घटना है.

घटना चिखलोली के पास जांभुल रोड पर हुई है. मृतक स्कूटर चालक का नाम पारसनाथ पाल बताया गया है. पाल यहीं के आर्चिड स्क्वायर इमारत के निवासी थे. वह और उनका पुत्र अपना बाइक पर उल्हासनगर जाने के लिए आगे जा रहे ईंट से भरे डंपर को ओवरटेक करने का प्रयास किया. सड़क के किनारे बने एमआईडीसी के बंद पड़े पानी के पाइपलाइन का एयर वॉल के कट्टे से बाइक का हिस्सा टकरा गया और वह डंपर की चपेट में आ गए. ऐसी जानकारी परिसर के भाजपा नेता परजेश तेलंगे ने दी है.

उन्होंने बताया कि एयर वॉल के बने सीमेंट कट्टे से टकरा कर दुर्घटनाएं हो रही हैं. इस एयर वॉल को सड़क के किनारे से हटाने की मांग उन्होंने की है ताकि और किसी निष्पाप की जान ना जा सके. मृतक पॉल के शव को उल्हासनगर सेंट्रल हास्पिटल में ले जाया गया है. डंपर को पुलिस ने पकड़ा है. आगे की जांच अंबरनाथ पुलिस कर रही है.

बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी को वीडियो कॉल कर जालसाज ने 3.57 करोड़ रुपए ठगे

उल्हासनगर. एक राष्ट्रीयकृत बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी को वीडियो कॉल पर खुद को पुलिसकर्मी बनकर धमकी देने वाले एक जालसाज ने 3.57 करोड़ रुपए की कथित रूप से ठगी करने की घटना सामने आयी है. मुरली ठाकुरानी नामक व्यक्ति शिकायत पर स्थानीय सेंट्रल पुलिस ने मामला दर्ज किया है लेकिन ठाणे सायबर सेल इस मामले की जांच कर रही है.

अंबरनाथ में दो दिवसीय इज्तेमा

■ 1-2 दिसंबर को इज्तेमा का आयोजन

अंबरनाथ. अंबरनाथ खानका-ए-आरीफिया नूरिया की तरफ से दो दिवसीय शानदार तरबीअती इज्तेमा का आयोजन 1 व 2 दिसंबर को गैबन शाह वली दर्गा मैदान, कोहोजगांव में रखा गया है, जिसमें हजरत सैय्यद अहमद मोहिउद्दीन जिलानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और फैजान-ए-गौसुल आजम विषय पर तकरीर करेंगे. मुस्लिम जमात अंबरनाथ के जेरे निगरानी ये शानदार कार्यक्रम होने जा रहा है. शाम 7 से रात 10 बजे के बीच यह आयोजन होगा. तकरीर के बाद लंगर का भी सभी उपस्थितों के लिए प्रबंध किया गया है. ऐसी जानकारी हमें साजिद उस्ताद हबीबी नूरी, माजिद उस्ताद नूरी और यूसुफ पठान ने दी है. इस तकरीर कार्यक्रम में अंबरनाथ के साथ ठाणे जिला के कई शहरों से सिलसिला-ए-आरिफिया, नोरिया के हजारों अनुयायियों के आने की संभावना है. आयोजकों ने अपील की है कि बड़ी तादाद में अपने दोस्त, अहबाब व रिश्तेदारों के साथ इज्तेमा में शिरकत फरमा कर आले रसूल की जियारत से अपने दिलों को रौशन फरमाएं. इज्तेमा में शहर की सभी सुन्नी तन्जीमें शिरकत करने वाली हैं.

चालियों में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों का डेरा

■ फैक्ट्रियों से निकलने वाला रासायनिक पानी सीधे खुले में छोड़ा जा रहा

■ प्रदूषण नियंत्रण मंडल गहरी नींद में

कल्याण. प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियां अब सीधे तौर पर नेवाली की चालियों में बस गई हैं और इन फैक्टरियों ने यहां की चालियों में डेरा जमा लिया है। डोंबिवली पाइपलाइन हाईवे पर धामटन में चालियों को सुरक्षा दीवार में छिपाकर उद्योग शुरू हो गए हैं। खुले में छोड़ा गया दूषित पानी पर्यावरण के लिए खतरनाक है। इसलिए इससे पहले कि प्रदूषण से इलाके को नुकसान हो, फैक्ट्रियों को बंद करने की जरूरत है.

उल्हासनगर शहर में प्रदूषण फैलाने वाली जीन्स फैक्ट्रियों को सुप्रीम कोर्ट ने बंद करवा दिया। शहर में कारखाने बंद होने के बाद वे ग्रामीण इलाकों में शरण लेने लगे। लेकिन अब फैक्ट्री मालिकों ने चालियों का सहारा लेना शुरू कर दिया है. चालियों में बड़ी संख्या में कारखाने स्थापित हो गए हैं और दूषित पानी का खुला निर्वहन शुरू हो गया है। शहरों से ग्रामीण इलाकों में शिफ्ट हुई इन फैक्ट्रियों के खिलाफ प्रदूषण नियंत्रण निगम संतोषजनक कार्रवाई नहीं कर रहा है. हाजीमलंग बेल्ट की फैक्ट्रियों को तत्कालीन तहसीलदार प्रशांति माने ने बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया था। प्रदूषण नियंत्रण मंडल को कार्रवाई करना जरूरी हो गया है। जब तक फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक फैक्ट्री मालिक दूषित पानी खुले में छोड़ते रहेंगे।

■ भीषण दुर्गंध का साम्राज्य

नेवाली क्षेत्र में धमटन क्षेत्र में एमआईडीसी के नाले और सीवर भी हैं। फैक्ट्री से निकलने वाला प्रदूषित पानी बिना किसी ट्रीटमेंट के खुले में छोड़ा जा रहा है। इससे इलाके में भारी दुर्गंध मच गयी है. चूँकि इन चालियों के क्षेत्र में नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए कई लोग अपना घर छोड़कर क्षेत्र से पलायन कर गए हैं।

> यहां फैक्ट्रियों के कारण बहुत दुर्गंध रहती है। यहां घर खरीदने वाले लोग अपना घर बेचकर चले गए हैं। अब भी दूषित पानी खुले में छोड़े जाने से एमआईडीसी की नालियों के साथ-साथ खुले स्थानों पर भी दूषित पानी दिखाई देता है. इसलिए प्रदूषण नियंत्रण निगम को इस क्षेत्र पर ध्यान देना जरूरी है.
> -एक रहिवासी

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

जलवायु संकट ने दी दस्तक

केंद्रीय जल आयोग की रपट को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय हरित पंचाट का केंद्र सरकार को नोटिस सजग करने के लिए ही है। इससे समय रहते हिमनदों को संभालने और नदियों के प्रबंधन की दिशा में कार्य शुरू होगा।जलवायु संकट के प्रतिकूल नतीजे दुनिया भर में दिखने लगे हैं। कहीं समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, तो कहीं फसलें सूखे की मार झेल रही हैं। हिमनदों के पिघलने और चक्रवाती हवाओं से मनुष्यों के सामने अस्तित्व का संकट गहराने लगा है। दुनियाभर में और खासकर भारत में जिस तरह मौसम का मिजाज बिगड़ा है, यह जलवायु संकट के गंभीर होने का संकेत है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय में हिमालयी क्षेत्र में हिमनदों और झीलों का क्षेत्रफल बढ़ना खतरे की घंटी है। क्या हम फिर केदारनाथ जैसी किसी त्रासदी की प्रतीक्षा कर रहे हैं? भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं का खतरा पहले से ही है। लिहाजा हिमनदों और झीलों के विस्तार को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि इससे न केवल ब्रह्मपुत्र और गंगा जैसी नदियों में पानी की मात्रा पर असर पड़ेगा, बल्कि जैव विविधता के साथ जन-जीवन भी व्यापक रूप से प्रभावित होगा। केंद्रीय जल आयोग की रपट को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय हरित पंचाट का केंद्र सरकार को नोटिस सजग करने के लिए ही है। इससे समय रहते हिमनदों को संभालने और नदियों के प्रबंधन की दिशा में कार्य शुरू होगा। हालांकि इसके लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता होगी। केंद्रीय जल आयोग की रपट ने संभावित प्राकृतिक आपदा की तस्वीर सामने रखी है और इससे आंखें मूंदे नहीं रहा जा सकता। हिमनदों और झीलों के फटने से बाढ़ का अंदेशा तो है ही, और अगर ऐसा हुआ तो निचले इलाके में रहने वाले लाखों लोगों और जैव-विविधता के लिए यह भयावह होगा। भारत में जिन 67 झीलों की पहचान हुई है, उनके क्षेत्रफल में 40 फीसद की वृद्धि चिंता का विषय है। क्योंकि हिमाचल, लद्दाख और उत्तराखंड जैसे राज्यों में यह विस्तार जोखिम बढ़ा सकता है। इन सभी परिस्थितियों के लिए कहीं न कहीं हम सभी दोषी हैं। हिमनदों का पिघलना कोई एक दिन में नहीं हुआ। कार्बन उत्सर्जन को रोक पाने में नाकामी तो है ही, वहीं जलवायु संकट पर उपेक्षा का भाव भी कम जिम्मेदार नहीं। ऐसे में पूर्व चेतावनी प्रणाली बनाने के साथ आपदा प्रबंधन पर ठोस कार्य करने की भी जरूरत है।

लोकतंत्र को मुंह चिढ़ाता वक्फ कानून

हालिया चुनावी विजय के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वक्फ कानून को जिस प्रकार आड़े हाथों लिया, उसने लंबे समय से चली आ रही बहस को एक नई हवा दी है। किसी भी आधुनिक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र में ऐसे कानून की उपस्थिति खटकती है। प्रधानमंत्री ने संवैधानिक मूल्यों की कसौटी के साथ ही इसकी वैधानिकता एवं प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाए। वक्फ कानून मनमानी शक्तियां प्रदान करता है। कई बार संपत्ति का अधिकार और विधिसम्मत प्रक्रियाएं भी इस कानून की बलि चढ़ जाती हैं। इस कानून को लेकर राजनीतिक तुष्टीकरण के चलते विधि के शासन और निष्पक्षता का पहलू गौण हो जाता है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। तमिलनाडु स्थित तिरुचेंदुरई के किसान राजगोपाल ने जब अपनी जमीन बेचनी चाही तो उन्हें पता चला कि वह तो वक्फ की संपत्ति है। उसके बाद वह तंत्र की जटिलता के चक्कर में फंसकर रह गए। ऐसे अंतहीन उदाहरण हैं जब इस कानून की वजह से लोगों को पुश्तैनी संपत्ति गंवानी पड़ी। इसके कारण अपनी पहचान और आजीविका के साधन गंवाने वालों की मुश्किलों की बस कल्पना ही की जा सकती है। असल में वक्फ कानून वक्फ बोर्डों को असीम अधिकार प्रदान करता है कि वे बिना औपचारिक प्रक्रिया के ही किसी भी जमीन या संपत्ति पर अपना दावा कर सकें। लोकतांत्रिक समाज में ऐसे स्वेच्छाचारी कानून की कोई जगह नहीं हो सकती और उसे निश्चित ही निरस्त कर देना चाहिए। वक्फ

अधिनियम धार्मिक या धर्मादा उद्देश्यों के लिए अपरिवर्तनीय रूप से समर्पित संपत्तियों को नियंत्रित करता है। यह कानून संपत्तियों को हमेशा के लिए वक्फ बोर्डों के नियंत्रण में करने का प्रविधान करता है। वक्फ बोर्ड उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना ही सरकारी या निजी किसी भी प्रकार की संपत्ति को अपना बताने लगते हैं। उन्होंने अपना समानांतर न्यायिक ढांचा तक बना लिया है, जहां अर्जी लगाने से लेकर पैरवी और फैसला सुनाने वाले सभी उनके लोग होते हैं। वक्फ के बेलगाम दावों के चलते देश भर में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है। सूरत में तो नगर निगम के मुख्यालय को ही वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिया गया। व्यक्ति, परिवार, कारोबारी समूह से लेकर खुद सरकारी एजेंसियां इस कानून की तपिश झेल रही हैं, जिसे मजहबी तुष्टीकरण की आड़ में निरंकुश स्वतंत्रता प्रदान की हुई है।

वक्फ के पास संपत्तियों का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि देश में रक्षा मंत्रालय और भारतीय रेलवे के बाद सबसे अधिक संपत्ति उसके पास ही है। इन संपत्तियों के वक्फ असेट्स मैनेजमेंट सिस्टम आफ इंडिया यानी वामसी के जरिये डिजिटलीकरण के प्रयास में कई विसंगतियां सामने आई हैं। करीब 4.3 लाख वक्फ संपत्तियों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं हैं। करीब 58,000 संपत्तियां अतिक्रमण के रूप में हैं और हजारों संपत्तियां कानूनी विवादों में फंसी हैं। इस मोर्चे पर स्पष्टता का अभाव लंबी चलने वाली मुकदमेबाजी और विलंबित फैसलों का कारण बनता है, जबकि संपत्ति के वास्तविक स्वामी कानूनी लड़ाई में फंसकर असहाय महसूस करते हैं। इन पहलुओं को इतर भी रखें तो सामुदायिक कल्याण के लक्ष्य की पूर्ति में भी वक्फ कानून असफल सिद्ध हुआ है। भारतीय मुस्लिमों की सामाजिक-आर्थिक दशा सुधारने के उद्देश्य से जुड़ी संपत्तियां कुप्रबंधन की शिकार हैं और उनका अपेक्षित उपयोग भी नहीं हो पा रहा है।

सच्चर समिति के अनुसार वर्ष 2005 में वक्फ संपत्तियों से महज 163 करोड़ रुपये की प्राप्ति हो पाई थी, जो केवल 2.7 प्रतिशत प्रतिफल थी। जबकि सक्षम प्रबंधन के जरिये वार्षिक आधार पर 12,000 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किए जा सकते थे, लेकिन भ्रष्टाचार, राजनीतिक हस्तक्षेप और रणनीतिक नियोजन के अभाव में ये परिसंपत्तियां उलटे बोझ बन गईं। वक्फ संपत्तियों की अक्सर बाजार भाव से कम मूल्य पर बोर्ड के करीबियों में बंदरबांट कर दी जाती है और उनसे प्राप्त राजस्व का भी कुप्रबंधन देखने को मिलता है, जिससे जरूरतमंदों तक उनका लाभ नहीं पहुंच पाता।

जितना अधिक हम प्रभु के और अपनी आत्मा के नजदीक आते हैं, उतना ही अधिक हम दूसरों की तकलीफों के प्रति करुणा से भर जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ईवीएम और मतपत्र को लेकर जारी विरोधाभास

मतपत्रों के इस्तेमाल की मांग को जिन तर्कों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है, वे गौर करने लायक हैं। ईवीएम को खारिज कर पुरानी प्रणाली की ओर लौटने की मांग उठी है और महाराष्ट्र चुनाव में कुछ घटनाओं का जिक्र कर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन झारखंड के नतीजों का तर्क सामने आते ही वे बेमानी हो गए। दरअसल, अब तक ऐसा अकाट्य प्रमाण सामने नहीं लाया जा सका है, जिससे कहा जा सके कि वर्तमान प्रणाली किसी अपूरणीय कमी से ग्रस्त है और बड़े बदलाव की जरूरत है। इससे पहले भी शीर्ष अदालत ने ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) के माध्यम से डाले गए मतों के सौ फीसद सत्यापन की मांग को ठुकरा दिया था। अदालत ने तब ही स्पष्ट कर दिया था कि मतपत्रों की ओर लौटना वास्तव में प्रतिगामी होगा और चुनाव प्रक्रिया में मतपत्रों से जुड़ी जो गड़बड़ियां खत्म की जा चुकी हैं, वे दोबारा सामने आ जाएंगी।

भारतीय लोकतंत्र इस बात का साक्षी रहा है कि हमेशा लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग सूझबूझ और विवेक के साथ किया है। उदाहरण के लिए, कई राज्यों में बार-बार देखा गया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए लोग अलग-अलग राजनीतिक दलों के लिए मतदान करते हैं, भले ही चुनाव एक साथ ही क्यों न हों। ऐसे में सवाल क्यों उठ रहे हैं। यहीं सरकारी संस्थानों की शुचिता की बात आ जाती है। अक्सर चुनाव आयोग पर सवाल उठे। विपक्ष की शिकायतों पर सुनवाई करने के नाम पर साफ दिखा कि प्रक्रिया का पालन तो किया गया, लेकिन मुद्दों को लेकर गंभीरता कम रही।

विपक्ष को मौका मिला आयोग पर सवाल उठाने का, जिससे शक बढ़ा। मतदान के आंकड़ों में बार-बार बदलाव, मतदान के दिन कई शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने की खबरों से संदेह तो बढ़ा ही। इस बार महाराष्ट्र में ईवीएम के 90 फीसद चार्ज रहने का मुद्दा विपक्ष ने उठाया। यह मुद्दा राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह गया। दरअसल, चुनाव आयोग हर बार तकनीकी पक्ष को लेकर बयान दे देता है। आयोग का कहना है कि ईवीएम को विश्वसनीय बनाने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं।

दावों-प्रतिदावों को छोड़ उचित यह होगा कि विपक्ष ईवीएम में हेरफेर के बारे में अपनी पुरानी बयानबाजी छोड़ दे और उन संभावित राजनीतिक कारणों पर विचार करे जो उसकी चुनावी हार का कारण बन रहे हैं। चुनाव सुधारों पर बात होनी चाहिए, जो सतत प्रक्रिया है। इसमें सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन को अपने मुद्दे तय करने, उनको लेकर जनता में जाने की जरूरत होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के बीच जाना मुख्य शर्त है।

दूसरे, सुप्रीम कोर्ट या निर्वाचन आयोग मतपत्रों से चुनाव की बात मौजूदा वक्त में स्वीकार नहीं करेगा, यह जाहिर है। हालांकि दुनिया के कई देशों ने ईवीएम से किनारा कर लिया है। लेकिन भारत अभी बाकी दुनिया की राह पर नहीं चलना चाहता। समय और संसाधन की बचत जैसे तर्क ईवीएम के पक्ष में दिए जाते हैं। ऐसे में यह विचारणीय मुद्दा खड़ा हो जाता है कि समय और संसाधन बचाते हुए हम लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े कुछ सवालों की अनदेखी तो नहीं कर रहे?

विचित्र जीव : पहली बार में लगेगा 'सूखा पत्ता'

आज हम आपको एक ऐसे ही जीव के बारे में बताने जा रहे हैं. आमतौर पर अगर वो आपकी आंखों के सामने हो तो

जरा हट के

उसे देखकर ऐसा लगेगा कि कोई सूखा पत्ता हो. लेकिन सच्चाई असल में कुछ और ही है. अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर वो कौन सा जीव है? ऐसे में बता दें कि ये एक तितली है, जिसे कल्लिमा इनाचस (Kallima Inachus) के नाम से जाना जाता है. ये तितली भारत से लेकर जापान सहित कई देशों में पाई जाती है. आमतौर पर ये नदियों और झाड़ियों के किनारे दिखाई देती है. वहीं, पेड़ों के रस, कीचड़ और पके फलों से आकर्षित होकर अपना भोजन बनाती है.

इस तितली के बारे में कहा जाता है कि जब कोई पक्षी उसका पीछा करता है और उसे खतरा महसूस होता है, तो वह बेतरतीब ढंग से उड़ना शुरू कर देती है. इसके बाद ये तितली अचानक जंगल के पत्तों में गिर जाती है और आंखें बंद करके स्थिर हो जाती है. ऐसे में पक्षियों को लगता है कि ये कोई सूखा पत्ता है और वे इन्हें ढूंढ नहीं पाते. कल्लिमा इनाचस अपने को शिकारियों से सुरक्षित बचाए रखने में माहिर मानी जाती है. ये खुद को पूरी तरह से छुपा लेती है. पहली बार में अगर ये आपकी आंखों के सामने आ जाए तो आप भी इसे सूखा पत्ता ही समझने की भूल कर बैठेंगे. दरअसल, जब यह अपनी पंख बंद करती है, तो केवल नीचे के निशान दिखाई देते हैं, जिसमें बेज, भूरे, पीले और काले रंग के कई शेड्स में अनियमित पैटर्न और धारियां होती हैं. इसमें सफेद धब्बे और गहरे रंग के बिंदु भी होते हैं जो फफूंद या लाइकेन से मिलते जुलते हैं. ये सब उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मुरझाए और सूखे हुए पत्तों पर दिखना बहुत आम है.

कल्लिमा इनाचस प्रजाति की तितलियां साल में दो बार प्रजनन करती हैं. एक बरसात के मौसम में और दूसरा सूखे मौसम में. बरसात के मौसम में तितलियां काफी छोटी हैं, लेकिन नर की तुलना में बड़ी होती हैं.

सर्दियों में पढ़ाई करते हुए आती है नींद

...तो फॉलो करें ये टिप्स

सर्दियों के मौसम में कुछ हो या ना हो पर नींद बहुत ही प्यारी आती है। इस दौरान आलसपन इस कदर हावी हो जाता है कि कुछ और करने का मन ही नहीं करता। ये सर्दियों का मौसम बच्चों के लिए भी कम चैलेंजिंग नहीं होता क्योंकि इस दौरान उनकी परीक्षाओं का सिलसिला जो शुरू होता है। इस भरी ठंड में पढ़ाई करना किसी सजा से कम नहीं क्योंकि इस दौरान पढ़ने बैठते ही जोरों की नींद आना शुरू हो जाती है। आलस के मारे किताब के पन्ने पलटते-पलटते कब नींद आ जाती है, पता ही नहीं चलता। हालांकि एग्जाम्स के लिए पढ़ना बेहद जरूरी हो जाता है, खासतौर से अगर आपके बोर्ड एग्जाम्स आने वाले हैं तब तो ये टाइम और भी ज्यादा क्रूशियल होता है। तो चलिए आज

कुछ टिप्स जानते हैं, जिनकी मदद से आप सर्दियों में भी बिना आलस के पढ़ाई कर सकते हैं।

सही पोजीशन में पढ़ना है जरूरी

ठंड के मौसम में अक्सर हम आलस के चलते बेड पर लेटकर पढ़ाई करने बैठ जाते हैं। ये भले ही कुछ देर के लिए कितना भी आरामदायक हो लेकिन थोड़ी ही देर में आपको नींद से भी भर देगा। इससे आपकी पढ़ाई भी ज्यादा देर नहीं हो पाएगी। इसलिए बेहतर यही है कि आप हमेशा बेड के बजाए किसी कुर्सी या स्टडी टेबल पर बैठकर पढ़ाई करें। अगर बेड पर पढ़ ही रहे हैं तो बैठकर ही पढ़ें, आलस के मारे झुककर या लेटकर पढ़ने से परहेज करें।

खानपान का रखें खास ध्यान

सर्दियों के मौसम में महज आलसपन ही नहीं, साथ में फूड क्रेविंग भी काफी बढ़ जाती है। अक्सर रजाई में पड़े-पड़े हम कुछ न कुछ खाते ही रहते हैं। इस दौरान अधिकतर हाई कैलोरी वाले फू* का ही सेवन किया जाता है, जो शरीर को और ज्यादा सुस्त बना देते हैं। अगर आप पढ़ाई करने बैठ रहे हैं तो ज्यादा खाने से बचें। हल्का-फुल्का खाना ही अपनी डाइट में शामिल करें। इसके अलावा आप बीच-बीच में गर्म पेय पी सकते हैं। वो चाय, कॉफी, दूध या सूप भी हो सकता है। ये भी आपको एक्टिव बनाए रखने में हेल्प करेंगे।

खुद को करें गर्म कपड़ों से कवर

सर्दियों के मौसम में ठंड लगते ही हम सबसे पहले रजाई या कंबल ढूंढते हैं और उसमें बैठते ही जोरों की नींद आना शुरू हो जाती है। ऐसे में आपको हर हाल में रजाई या कंबल को अवॉइड करना चाहिए। इसके लिए बेस्ट यही है कि आप अपने शरीर को अच्छे से कवर करें। मोटे गर्म कपड़े, जैकेट और बॉडी वॉर्मर पहनें ताकि रजाई के बाहर भी कंफर्टेबल महसूस कर पाएं। इसके साथ ही मोटे मौजे और गर्म टोपी भी जरूर पहनें। हालांकि इतने ज्यादा कपड़े भी ना पहन लें कि शरीर हेवी और सुस्त फील करने लग जाए।

इन बातों का रखें ध्यान

इफेक्टिव पढ़ाई करने के लिए एक प्रॉपर स्टडी रूटीन का होना भी बेहद जरूरी है इसलिए अपनी सहूलियत के हिसाब से एक अच्छा स्टडी रूटीन बनाकर तैयार करें। इसमें बीच-बीच में स्टडी से ब्रेक और पावर नैप भी शामिल करें। आप अपनी पढ़ाई की जगह भी बार-बार चेंज कर सकते हैं। जैसे सुबह के समय धूप में, कभी स्टडी रूम में तो कभी बालकनी में या लाइब्रेरी में। इससे भी आपको बोरियत महसूस नहीं होगी। इसके अलावा बीच-बीच में खुद को रिफ्रेश करने के लिए म्यूजिक, वॉक या अपनी कोई भी मनपसंद चीज प्लान कर सकते हैं।

बाजरे के लड्डू

सामग्री

बाजरे के लड्डू बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ेगी वो हैं - बाजरे का आटा (200 ग्राम यानी लगभग डेढ़ कप), गुड़ (एक कप), देसी घी (डेढ़ कप), काजू (10-12), बादाम (10-12), गोंद (लगभग दो चम्मच), कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल (दो से तीन चम्मच) और फ्लेवर के लिए इलायची पाउडर (लगभग आधा चम्मच)।

विधि :

टेस्टी और हेल्दी बाजरे के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले गैस पर एक पैन चढ़ाएं। जैसे ही ये हल्का सा गर्म हो जाए इसमें देसी घी डालें। जब घी अच्छे से मेल्ट हो जाए तो इसमें गोंद डालकर भून लें। गोंद को हल्का सुनहरा होने तक धीमी आंच पर भूनें। गोंद के भुन जाने पर इसे निकालकर साइड में रख लें। अब इसी घी में बाजरे के आटे को भूनने के लिए डाल दें। जरूरत हो तो आटे में थोड़ा और घी डाल सकती हैं। घी इतना होना चाहिए कि आटा हल्का सा घी में तर दिखे। हल्की मीडियम आंच पर आटे को लगातार चलाते

हुए भून लें। जब आटे का रंग बदलने लगे और घी आटे से अलग होने लगे, तो गैस को बंद कर दें और आटे को किसी बर्तन में निकल कर ठंडा होने के लिए रख दें। जबतक आपका आटा ठंडा हो रहा है, तब तक आप अपने गुड़ को तैयार कर सकती हैं। सबसे पहले गुड़ को कूटकर छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। आप चाहें तो गुड़ की जगह देसी खांड, शक्कर या चीनी के पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अब गुड़ को तोड़ने के बाद उसे एक पैन में मेल्ट कर लें यानी पिघला लें। जब गुड़ मेल्ट हो जाए तो उसे हल्का सा गुनगुना होने के लिए रख दें। अब बारी आती है लड्डू बनाने की। इसके लिए भुने हुए बाजरे के आटे में अपने मनपसंद ड्राई फ्रूट्स काटकर डालें। इसमें काजू, बादाम, गोंद, कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल और फ्लेवर के लिए इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। अब धीरे-धीरे इसमें पिघला हुआ गुड़ मिलाएं। अपने हाथों से इन सभी चीजों को मिक्स करें और लड्डू का शेप दें। तो लीजिए तैयार हैं आपके टेस्टी और हेल्दी बाजरे के लड्डू। सर्दियों में इन्हें जरूर ट्राई करें।

पेट में गैस की समस्या से परेशान हैं तो सुधार लें ये आदतें

पेट में गैस, ब्लॉटिंग, अपच और इनडाइजेशन जैसी समस्या काफी सारे लोगों को इन दिनों परेशान करती है। लगातार सिडेंटरी लाइफस्टाइल और खानपान के मामले में लापरवाही डाइजेशन को बिगाड़ देती है। लेकिन कुछ लोग जो हेल्दी ईटिंग और रूटीन में रहते हैं। उन्हें भी गैस की समस्या परेशान करने लगती है। अगर आपके पेट में भी गैस बनती रहती है तो अपनी इन आदतों को सुधार लें। जो गैस बनने की समस्या को कम करने की बजाय बढ़ा देती है।

फास्टिंग

गैस की समस्या परेशान करने पर काफी सारे लोग खाना छोड़ देते हैं। जो गैस को और भी ज्यादा खराब कर देती है। बार-बार गैस बनने की समस्या से बचना चाहते हैं तो फास्टिंग को छोड़कर टाइम पर खाना शुरू करें। ऐसा करने से गैस की समस्या बढ़ेगी नहीं बल्कि कम होगी।

बहुत गर्म पीने या खाने से बचे

अगर आपकी आदत बहुत ज्यादा गर्म ड्रिंक पीने या फिर बहुत गर्म बिल्कुल जलता खाना खाने की है तो इसे छोड़ दें। इससे ना केवल जीभ, मुंह जलने का खतरा रहता है बल्कि इसोफेगस को भी नुकसान होता है। जिससे हार्टबर्न

और गैस की समस्या होने लगती है। हमेशा रूम टेंपरेचर पर ही खाना या पीना चाहिए।

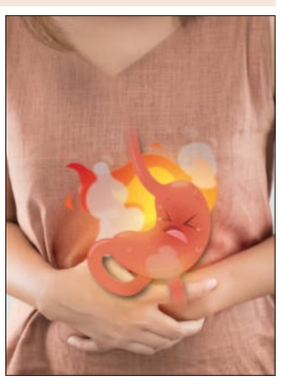

लाल मिर्च ना खाएं

बार-बार गैस बनती है तो अपने खाने से लाल मिर्च का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद कर दें। तीखा खाना पसंद है तो हमेशा हरी ताजी मिर्च का इस्तेमाल करें। ये स्वाद में तीखी लेकिन माइल्ड होती है और पेट में गैस नहीं बनाती। वहीं लाल मिर्च की वजह से पेट में गैस और दर्द की समस्या हो सकती है।

भूलकर भी ना पिएं दूध

गैस बनना आपकी कॉमन समस्या जो बार-बार लौट आती है तो डाइट से दूध को बिल्कुल बाहर कर दें। दूध में मौजूद लैकेटोज काफी सारे लोग नहीं पचा पाते जिसकी वजह से गैस बनना शुरू हो जाती है। इसलिए दूध पीने की बजाय रूटीन में सौंफ की चाय शामिल करें या सौंफ को चबाएं।

बहुत ज्यादा टाइट कपड़े ना पहनें

गैस बनने की वजह कई बार टाइट बेल्ट, कपड़े या अंडरगार्मेंट्स हो सकते हैं। जिसकी वजह से डाइजेशन में दिक्कत होती है। इसलिए हमेशा कंफर्टेबल कपड़ों को ही पहनना चाहिए।

सर्दियों में हाथों की स्किन हो जाती है रूखी

तो दो मिनट में बनाएं नर्म और मुलायम

सर्दियां आते ही स्किन में ड्राईनेस होने लगती है। इससे बचने के लिए स्किन को एक्स्ट्रा मॉइश्चर की जरूरत होती है। जिससे ठंडी हवाएं स्किन के रूखेपन को खत्म ना कर सकें। लेकिन फेस के साथ ही हाथों की स्किन को भी केयर की जरूरत होती है। क्योंकि हाथ सबसे ज्यादा ठंड के संपर्क में रहते हैं और रूखे बेजान होने लगते हैं। अगर सर्दियां शुरू होते ही आपको अपने रूखे और सख्त हाथों की वजह से शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। तो बस इन दो नुस्खों को जान लें। जो चुटकियों में आपके हाथ को मुलायम बनाएगा और दिखने वाली झुर्रियों को भी खत्म करेगा।

नमक से करें स्क्रब

ठंड में हाथों पर झुर्रियां और रूखापन दिख रहा है तो नमक की मदद से मसाज करे। ये तरीका हाथों को इंस्टेंटली सॉफ्ट बना देगा। इसके लिए बस जरूरत है कोल्ड क्रीम और नमक की। हाथों में कोल्ड क्रीम या मॉइश्चराइजर लें और साथ में

आधा चम्मच नमक लें। अब दोनों को मिक्स करें और हाथों को धीरे-धीरे करीब पांच मिनट तक मसाज कर लें। फिर हल्के गुनगुने पानी से धो लें। ये तरीका स्किन को बिल्कुल बदल देगा। ना केवल सारी डेड स्किन साफ हो जाएगी बल्कि हाथ बिल्कुल नर्म, मुलायम और बिना रिंकल वाले दिखने लगेंगे। इस ठंड इस नुस्खे को जरूर आजमाएं और हाथों में फर्क देखें।

चीनी-तेल से बनाएं स्क्रब

हाथों की स्किन पर झुर्रियां दिख रही हैं तो उन्हें हटाने के साथ ड्राईनेस दूर करने के लिए कोकोनट ऑयल में चीनी मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। चीनी को तब तक मिलाएं जब तक दरदरी चीनी का पेस्ट ना बन जाए। अब हाथों पर लगाकर मसाज करें। इससे स्किन पर जमा गंदगी साफ हो जाएगी और साथ ही हाथ सॉफ्ट और शाइनी बनेंगे।

आज का राशिफल

मेष : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन–पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ : अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी।

मिथुन : रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान–सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। नई योजनाएं बनेंगी।

कर्क : वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंह : तंत्र–मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, आपसी संबंधों को महत्व दें।

कन्या : चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें।

तुला : आज घर–बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार–व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ होगा। नौकरीपेशा का जीवन अच्छा चलेगा, पदोन्नति होगी। बाहरी कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी।

वृश्चिक : संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन–पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनु : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम–संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

मकर : धन को लेकर व्यावसायिक चिंता बनी रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। आज काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे।

कुंभ : घर–बाहर पूछ–परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

शादी से लौट रही कार पेड़ से टकराकर नाले में पलटी, दस साल के बच्चे की मौत, 10 घायल

लखीमपुर. यूपी के लखीमपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शादी समारोह से वापस आते समय एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर नाले में पलट गई। इस हादसे में कार सवार 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। जबकि अन्य 10 लोग जख्मी हो गए। सूचना मिलने पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। ये हादसा गुरुवार सुबह करीब 10 बजे हुा। ये घटना लखीमपुर-शाहजहांपुर रोड पर पिपरिया गांव के पास का है। जहां गुरुवार को एक तेज रफ्तार अचानक से लहराती हुई पेड़ से टकरा गई, इसके बाद कार नाले में पलट गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल कई वाहनों से घालों लोगों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। हालंकि इस दौरान आरिफ का 10 साल का बेटा सहजन की मौत हो गई। पुलिस ने सहजन के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला मित्र के साथ होटल में गए थे अधेड़, बाथरूम में हो गया कांड; अस्पताल में मौत

कानपुर. यूपी के कानपुर के एमएस पैलेस होटल में आठ नंबर कमरे में महिला मित्र के साथ पहुंचे अधेड़ की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। होटल मैनेजर को बाथरूम में गिरने की सूचना देने के बाद महिला मौके से निकल गई। होटल कर्मचारियों ने अधेड़ को उर्सला में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस की एक टीम उर्सला अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया। जबकि दूसरी टीम फॉरेंसिक के साथ होटल पहुंची और साक्ष्य संकलित किए। मामला, हरबंश मोहाल थाना क्षेत्र का है। हरबंश मोहाल इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि काकादेव के गीता नगर निवासी 47 साल के कमलेंद्र त्रिपाठी महिला मित्र के साथ हरबंश मोहाल स्थित एमएस पैलेस होटल के कमरा नंबर 8 में बुधवार सुबह साढ़े 10 बजे आए थे। होटल में कमलेंद्र और महिला दोनों ने अपनी आईडी दी थी। कुछ ही देर बाद महिला रिसेप्शन आई और बताया कि कमलेंद्र का पैर फिसल गया है और वह गिर गए हैं।

सुरक्षित रख लें चुनाव की EVM फुटेज और वीडियोग्राफी, याचिका पर HC का आदेश

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग को अलीगढ़ लोकसभा चुनाव की ईवीएम फुटेज और वीडियोग्राफी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ एवं न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित ने अलीगढ़ लोकसभा सीट से सपा के उम्मीदवार रहे चौधरी बिजेंद्र सिंह की याचिका पर दिया है। लोक सभा चुनाव 2024 में सपा उम्मीदवार बिजेंद्र सिंह ने याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा ने बेईमानी की है। मतगणना के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी कर उन्हें हराया गया है। अधिवक्ता महमूद प्राचा और उमर जामिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दलील दी कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की गई है।

अब उद्धव सेना में भी उठा हिंदुत्व का सवाल

■ **कांग्रेस को बताया बोझ; क्या करेंगे ठाकरे?**

मुंबई. जून 2022 में एकनाथ शिंदे ने जब 40 विधायकों को लेकर शिवसेना से बगावत की थी और उद्धव ठाकरे को इस्तीफा देना पड़ा था तो हिंदुत्व का सवाल उठा था। एकनाथ शिंदे और उनके समर्थकों ने आरोप लगाया था कि उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस के साथ जाकर हिंदुत्व से समझौता किया है। बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा के खिलाफ जाने का आरोप लगे थे। इसके बाद 2024 का लोकसभा चुनाव हुआ तो उद्धव सेना को ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन कांग्रेस को बड़ा फायदा हुआ। अब विधानसभा चुनाव में भी उद्धव सेना को झटका लगा है। उसके 20 विधायक ही जीते हैं, जबकि एकनाथ शिंदे के 57 विधायकों को जीत मिली है।

इसके बाद हालात यह हैं कि उद्धव सेना के अंदर ही सवाल उठने लगे हैं कि क्या कांग्रेस के साथ गठबंधन में रहना सही है? मंगलवार को उद्धव सेना की मीटिंग हुई, जिसमें पार्टी के नेताओं ने सवाल उठाए और आने वाले स्थानीय निकाय के चुनावों में अलग से लड़ने का भी प्रस्ताव रखा। विधान परिषद में नेत विपक्ष और उद्धव सेना के लीडर अंबादास दानवे ने कहा कि कई लोग पार्टी में मानते हैं कि हमें बिना किसी गठबंधन के ही अकेले उतरना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बहुमत की राय है कि हमें अलग से चुनाव लड़ना चाहिए ताकि संगठन को खड़ा किया जा सके। इस मीटिंग में विधायकों और अन्य नेताओं ने कहा कि हम मुंबई की ऐसी सीटें हार गए, जो हमारा गढ़ मानी जाती थीं। इसकी एक ही वजह है कि हम कांग्रेस की ओर गए और हिंदुत्व की विचारधारा से समझौता किया। ऐसा संदेश जनता के बीच गया है। इसके अलावा एकनाथ शिंदे को भाजपा के साथ जाने का फायदा मिला है। एक नेता ने कहा कि हमने उद्धव ठाकरे जी से कहा है कि वे अलग होने पर विचार करें। उन्होंने कहा कि मराठी मानुष की पार्टी होने की हमारी इमेज थी। कांग्रेस के साथ जाने से उस इमेज को भी धक्का लगा है। अब हम चाहते हैं कि अगले साल होने वाले स्थानीय निकाय के चुनाव में अलग होकर उतरा जाए।

'भाजपा ने प्रचार किया- मुसलमान डाल रहे हैं उद्धव सेना को वोट'

उद्धव सेना की मीटिंग में यह भी कहा गया कि लोकसभा इलेक्शन के बाद यह प्रचार भी भाजपा और उसके साथियों ने किया कि अल्पसंख्यकों के वोट से हमें जीत मिली है। यह संदेश भी गया कि अब उद्धव ठाकरे अपने पुराने वोट की बजाय मुस्लिमों को लुभाना चाहते हैं। इसका हमें नुकसान हुआ है। यही वजह थी कि उद्धव ठाकरे की ओर से गद्दार वाले कैंपेन का फायदा भी नहीं मिला, जो वह एकनाथ शिंदे पर टारगेट करते हुए चला रहे थे। यही नहीं कांग्रेस और एनसीपी के साथ भरोसे का रिश्ता न होने का भी सवाल उठा। नेताओं ने कहा कि हम जहां भी लड़े, वहां सहयोगी दलों का वोट हमें ट्रांसफर नहीं हुआ।

PM मोदी को मारने की थी साजिश!

■ **कॉलर का दावा- हथियार भी थे तैयार**

■ **महिला हिरासत में**

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की साजिश से जुड़े एक फोन कॉल की जांच जारी है। खबर है कि मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल आया था, जिसमें पीएम के खिलाफ साजिश की बात कही गई थी। फिलहाल, जांच जारी है और पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया है। कहा जा रहा है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन आया था, जिसमें कॉलर ने पीएम मोदी का जिक्र किया था। कॉलर का दावा है कि पीएम मोदी को मारने का प्लान तैयार था और हथियार भी तैयार थे। खबर है कि पुलिस इस मामले में FIR दर्ज करने जा रही है और कॉलर को ट्रेस कर रही है। इस संबंध में पुलिस ने एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। प्रथम दृष्टया वह पारिवारिक कारणों के चलते परेशान नजर आ रही है।

दिल्ली-NCR में लागू रहेंगी GRAP-4 की पाबंदियां

वायु प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में 2 दिसंबर तक ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू रहेंगी। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि बस स्कूलों को प्रतिबंध से छूट रहेगी। इसका मतलब है कि दिल्ली-एनसीआर में स्कूल हाइब्रिड मोड में चलते रहेंगे जैसा कि जैसा कि कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने सिफारिश की थी। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि स्कूलों से संबंधित उपायों को छोड़कर ग्रैप-4 के तहत सभी पाबंदियां दो दिसंबर तक लागू रहेंगी। इस बीच सीएक्यूएम को बैठकें करके सलाह देने को कहा है कि ग्रैप-4 से ग्रैप-3 या 2 की तरफ किस तरह बढ़ा जाए।

NIA को आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी

■ **लश्कर-ए-तैयबा के बड़े कमांडर को विदेश से लाई**

नई दिल्ली. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। एनआईए लश्कर-ए-तैयबा के बड़े कमांडर सलमान खान को रवांडा से भारत लाई है। खान पर बेंगलुरु की जेल में देश के खिलाफ साजिश रचने और लोगों को कट्टरपंथी बनाकर आतंक की फौज तैयार करने का आरोप है। एनआईए अधिकारी ने कहा कि सलमान को 27 नवंबर को हिरासत में लिया गया और आज सुबह भारत लाया गया। सलमान 2020 के बाद से एनआईए के रडार पर था और एजेंसी उसके प्रत्यर्पण की कोशिश में थी। एनआईए ने इस काम में रवांडा जांच ब्यूरो (आरआईबी), इंटरपोल और राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) की सहायता ली।

सीबीआई ने एक बयान में कहा, ₹एनआईए के अनुरोध पर सीबीआई ने 2 अगस्त 2024 को इंटरपोल से सलमान खान के खिलाफ एक रेड नोटिस जारी करवाया था। खान की लोकेशन ट्रेस करने के लिए विश्व स्तर पर कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों को जानकारी दी गई। तब पता लगा कि सलमान रवांडा में छिपा है। इसके बाद सीबीआई ने रवांडा की राजधानी किगाली में इंटरपोल से सहायता से सलमान को लोकेट किया और गिरफ्तार किया।

एलटीए आतंकी सलमान खान पर क्या आरोप

आतंकी सलमान खान के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की लंबी लिस्ट है। संघीय आतंकवाद विरोधी जांच एजेंसी ने सलमान के खिलाफ बेंगलुरु की जेल में कट्टरपंथ की साजिश का मामला अक्टूबर 2023 में दर्ज किया था। एनआईए के अनुसार, सलमान खान को पहले 2018-2022 तक बच्चों को यौन अपराध निवारण (POCSO) मामले में बेंगलुरु में गिरफ्तार किया गया था।

अजमेर को भी संभल बनाना है, सर्वे से क्या दिक्कत?

■ **विपक्ष पर भड़के गिरिराज**

अजमेर की स्थानीय अदालत में हिंदू सेना के लीडर विष्णु गुप्ता की ओर से अर्जी दाखिल की गई है। इसमें एक पुस्तक के हवाले से दावा किया गया है दरगाह से पहले यहां मंदिर था और उसका विध्वंस करके ही दरगाह बनी है। ऐसे में अदालत को इसका सर्वे करने का आदेश देना चाहिए। याचिका को हुए जज मनमोहन ने सुनवाई के योग्य माना है और सरकार, एएसआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

नई दिल्ली. राजस्थान की मशहूर अजमेर शरीफ दरगाह को शिव मंदिर बताने वाली अर्जी को स्थानीय अदालत ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। हिंदू सेना नाम के संगठन की ओर से एक अर्जी दाखिल हुई थी, जिसमें कहा गया था कि दरगाह को एक शिव मंदिर के ऊपर बनाय गया है। कोर्ट की ओर से अर्जी स्वीकार करने के बाद से ही विवाद जारी है और विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी, रामगोपाल यादव समेत कई नेताओं ने इस पर सवाल उठाए हैं और उनका कहना है कि ऐसी अर्जियां आखिर क्यों स्वीकार हो रही हैं। रामगोपाल यादव ने तो यहां तक कहा कि छोटे-छोटे जज देश में बवाल करा रहे हैं।

इस बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कहना है कि इसमें गलत क्या है। उन्होंने कहा कि यदि सर्वे हो जाएगा तो क्या दिक्कत है। पता चल जाएगा कि सच्चाई क्या है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये लोग तो अजमेर को भी संभल बनाना चाहते हैं। उनका कहना था कि संभल में अदालत ने सर्वे कराने का आदेश दिया था। लेकिन फिर भी वहां इस तरह बवाल हुआ कि कई लोग मारे गए। गिरिराज सिंह ने कहा कि आखिर संभल में कोर्ट के फैसले से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है। वहां सर्वे ही तो हुआ, लेकिन फिर भी इतना बवाल किया गया।

दिल्ली सरकार ने EV पॉलिसी को दी मंजूरी

■ **1 जनवरी से खरीदे गए वाहनों पर मिलेगी सब्सिडी**

नई दिल्ली. दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) पॉलिसी को मार्च 2025 तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस नीति के तहत 1 जनवरी 2024 और उसके बाद खरीदे गए इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी और रोड टैक्स में छूट मिलेगी। खुद मुख्यमंत्री आतिशी ने इन फैसलों की जानकारी दी है। आतिशी ने कहा- सबसे महत्वपूर्ण फैसला इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) पॉलिसी को फिर से शुरू करने का है।

सीएम आतिशी ने कहा- दिल्ली सरकार अगस्त 2020 में सबसे प्रोग्रेसिव इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लेकर आई थी। इसके परिणामस्वरूप दिल्ली में इलेक्ट्रिक व्हीकल की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। दिल्ली में 2019-20 में जहां चार फीसदी इलेक्ट्रिक व्हीकल होते थे वहीं पॉलिसी के आने के बाद 2022-23 में यह आंकड़ा कुल वाहनों में 12 फीसदी तक जा पहुंचा। यह देश में सबसे ज्यादा है।

आतिशी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल भेजकर इस इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी में भी अड़ंगा डाला गया। पिछले 10 महीने से जो भी इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीद रहा है उसे सब्सिडी और रोड टैक्स में छूट नहीं मिल रही है।

प्रियंका गांधी ने सांसद की शपथ के साथ दिया संदेश

■ **हाथ में लिए रहीं संविधान**

नई दिल्ली. वायनाड लोकसभा सीट से चुनी गईं प्रियंका गांधी ने आज सांसद के तौर पर शपथ ली। कांग्रेस की नेता शपथ के दौरान हाथ में संविधान की कॉपी लिए रहीं। इस तरह उन्होंने संविधान वाले दांव को भी शपथ के साथ ही चलने की कोशिश की, जिस पर कांग्रेस समेत विपक्ष ने लोकसभा चुनाव के दौरान नैरेटिव तैयार किया था। लोकसभा इलेक्शन में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि सरकार इसलिए 400 सीट चाहती है ताकि संविधान बदला जा सके और गरीबों का आरक्षण छीन लिया जाए।

इसके बाद जब लोकसभा का सत्र शुरू हुआ तो कांग्रेस के सांसदों ने संविधान लेकर ही शपथ ली थी। अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद जैसे नेता भी संविधान की कॉपी लिए दिखे। उसी को अब प्रियंका गांधी ने भी आगे बढ़ाया है। प्रियंका गांधी की शपथ के मौके पर उनके पति रॉबर्ट वाड्रा, बेटे रिहान वाड्रा और बेटी मिराया वाड्रा भी लोकसभा पहुंचे। इसके अलावा उनकी मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी पहले से ही सदन में मौजूद थे।

राहुल गांधी खुद रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद हैं, जबकि सोनिया गांधी राज्यसभा की मेंबर हैं। प्रियंका गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट का उपचुनाव 4 लाख 10 हजार से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की है। उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के प्रत्याशी सत्यन मोकेरी को मात देकर लोकसभा में एंट्री की है। यहां से भाजपा ने नव्या हरिदास को चुनाव में उतारा था। बुधवार को ही अपने निर्वाचन का सर्टिफिकेट प्रियंका गांधी ने लिया था और कहा था कि यह हमारी मेहनत, प्यार और जनता के भरोसे की जीत है।

प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा था, 'मेरे साथ वायनाड से मेरी जीत का सर्टिफिकेट लेकर आए। मेरे लिए यह सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है बल्कि प्यार, भरोसे और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुझे चुनने के लिए वायनाड का धन्यवाद।' इसी साल जून में आए लोकसभा के नतीजों में राहुल गांधी यहां से जीते थे। इसके अलावा रायबरेली से भी वह जीते थे, ऐसे में उन्होंने वायनाड की सीट छोड़ी दी और अब यहां उपचुनाव हुआ तो प्रियंका गांधी को जीत मिली है।

किसी भी हाल में पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया

■ **सरकार ने BCCI से कहा- चैंपियंस ट्रॉफी न्यूट्रल वेन्यू पर हो, नहीं तो भारत करेगा मेजबानी**

टीम इंडिया किसी भी कंडीशन में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। BCCI के सूत्रों ने बताया, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अगर हाइब्रिड मॉडल के लिए नहीं माना तो टीम इंडिया टूर्नामेंट नहीं खेलेगी। अगर PCB ने टूर्नामेंट होस्ट नहीं किया तो भारत इसकी मेजबानी के लिए भी तैयार है। ICC ने 29 नवंबर को मीटिंग बुलाई है, जिसमें वेन्यू को लेकर फाइनल फैसला लिया जाएगा।

BCCI सूत्रों ने भास्कर को बताया, सरकार ने BCCI से साफ कह दिया है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी। सरकार ने BCCI से ICC में अपने तर्क को मजबूती से रखने के लिए कहा है। ICC में पाकिस्तान के हालात और खिलाड़ियों की

PCB नहीं माना तो भारत टूर्नामेंट के लिए तैयार

सरकार ने यह तक कह दिया है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी करवाने से मना किया तो भारत इसकी मेजबानी करेगा। अगर ICC ने भारत को मेजबानी सौंपी तो सरकार की ओर से पूरा सपोर्ट मिलेगा। इतना ही नहीं, चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भारत आने वाली टीमों के प्लेयर्स को वीजा मिलने में भी दिक्कत नहीं आएगी।

टीम इंडिया से मिले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को कैनबरा में टीम इंडिया से मुलाकात की। टीम इंडिया अभी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। दूसरा टेस्ट एडिलेड में 6 दिसंबर से खेला जाना है। उससे पहले कैनबरा में प्रधानमंत्री इलेवन और टीम इंडिया के बीच प्रैक्टिस मैच खेला जाना है। भारतीय टीम 28 नवंबर की सुबह पर्थ से कैनबरा पहुंची थी।

PM अल्बनीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से इस मुलाकात की फोटो शेयर की गई है। इस मौके पर अल्बनीज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना संदेश भी दिया और कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम वापसी करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखे पोस्ट में कहा, 'इस सप्ताह मनुका ओवल में एक शानदार भारतीय टीम के खिलाफ पीएम इलेवन के लिए बड़ी चुनौती है।

अल्बनीज ने भारतीय टीम के साथ बातचीत भी की। कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के साथियों से उनका परिचय कराया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ मोदी के साथ आईं ममता

■ **तृणमूल बोली- निर्णायक कदम उठाए सरकार**

कोलकाता. बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं और इस्कॉन मंदिर से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास को जेल भेजे जाने पर ममता बनर्जी की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि इस पर केंद्र सरकार को कदम उठाने चाहिए। ममता बनर्ज ने कहा कि हम केंद्र सरकार के साथ हैं, वह चाहे जो कदम उठाए। ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि यह दूसरे देश का मामला है। इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहती क्योंकि यह हमारे अधिकार क्षेत्र के बाहर का मामला है। बनर्जी ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि इस मुद्दे को केंद्र सरकार को सुलझाना है और राज्य सरकार केंद्र के निर्णय का पालन करेगी।

बनर्जी ने कहा, 'बांग्लादेश एक अलग देश है। भारत सरकार इस पर गौर करेगी। यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। हमें इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए और न ही इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। हालांकि हमें (बांग्लादेश में वर्तमान स्थिति को लेकर) अंदर से दुख है, लेकिन हम केंद्र द्वारा निर्धारित नीतियों का पालन करते हैं।' मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने इस मामले पर 'इस्कॉन' के प्रतिनिधियों से बात की है। हालांकि उन्होंने इस्कॉन अधिकारियों से हुई बातचीत के संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही घटनाओं से मैं निराश हूं।

कांग्रेस पर बढ़ा मुसलमानों को आरक्षण देने का दबाव

■ **4 फीसदी कोटा के लिए हलचल तेज**

बंगलूरू. कर्नाटक में मुसलमानों को 4 फीसदी आरक्षण का मुद्दा फिर जोर पकड़ता नजर आ रहा है। खबर है कि हाल ही में हुए उपचुनावों में जीत के बाद कांग्रेस सरकार पर मुस्लिम कोटा बहाल करने का दबाव बढ़ने लगा है। फिलहाल, इसे लेकर राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। भारतीय जनता पार्टी ने कोटा खत्म कर दिया था, लेकिन इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

हालांकि, अब तक साफ नहीं है कि कर्नाटक में कोटा बहाल कब तक किया जाएगा। खास बात है कि साल 2023 में राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में मुस्लिम कोटा का मुद्दा कांग्रेस के लिए काफी अहम साबित हुआ था। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अगुवाई में सरकार गठन में इसने बड़ी भूमिका निभाई थी। अब कांग्रेस को उपचुनाव में भी बड़ी सफलता हाथ लगी है।

शिवाजीनगर से कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद का कहना है कि कोटा बहाल होगा और वह इसे समुदाय का हक बताते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें भी समाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्गीकृत किया गया है।' उन्होंने कहा, 'कोर्ट ने जांच के बाद इसे तर्कसंगत बनाया था। रातों रात इसे छीना नहीं जा सकता।' उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार मुसलमानों के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में केस लड़ रही है। अखबार ने पार्टी सूत्रों के हवाले से लिखा है कि 4 फीसदी कोटा को लगभग अंतिम रूप दिया जा चुका है, लेकिन सरकार 'सही समय' का इंतजार कर रही है। कहा जा रहा है कि लोकसभा और उपचुनावों के चलते ऐलान नहीं हो सका, क्योंकि सरकार को डर था कि इससे लिंगायत और वोक्कालिगा वोट प्रभावित होंगे। खास बात है कि भाजपा सरकार में दोनों समुदायों को 2 फीसदी अतिरिक्त कोटा का लाभ मिला था।

साल 1995 में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने मुसलमानों के लिए अलग से 4 प्रतिशत आरक्षण की बात कही थी। वहीं, बौद्ध और अनुसूचित जाति में धर्मांतरण करने वाले ईसाइयों को रिजर्वेशन मेट्रिक्स के वर्ग 1 और 2ए में शामिल करने का फैसला किया था। 27 मार्च 2023 तक यह व्यवस्था जारी रही। इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने मुस्लिम कोटा खत्म कर दिया। साथ ही लिंगायत और वोक्कालिगा के 2 फीसदी कोटा बढ़ा दिया था।

280 किमी प्रति घंटा रफ्तार से दौड़ेंगी भारतीय ट्रेनें

■ **वंदे भारत के बाद रेलवे देगा नया**

नई दिल्ली. वंदे भारत की रफ्तार का मजा ले रहे भारतीयों को जल्द ही तेज रफ्तार ट्रेनों की सौगात मिलने वाली है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसके संकेत दिए हैं। कहा जा रहा है कि इन नई ट्रेनों में ऑटोमैटिक दरवाजों समेत कई आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। खबर है कि इन नई ट्रेनों की रफ्तार 250 किमी प्रतिघंटा से भी ज्यादा की होगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चेन्नई में ICF यानी इंटीग्रल कोच फैक्ट्री BEML के साथ मिलकर हाईस्पीड ट्रेन बना रही है। ये खास ट्रेनें 280 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार हासिल कर सकेंगी। रेल मंत्री ने लोकसभा में बुधवार को बताया कि मेक इन इंडिया के तहत वंदे भारत आने के बाद रेलवे इस नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। वंदे भारत की स्पीड 160 किमी प्रतिघंटा है।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के साथ सुधीर गुप्ता और अनंत नायक की तरफ से सवाल पूछा गया था। इसपर वैष्णव ने जवाब दिया, 'निर्माण की लागत करीब 28 करोड़ रुपये प्रति कार आएगी। इसमें कर शामिल नहीं हैं...।'

कैसे होंगी खास...

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चेयर कार ट्रेन सेट्स में आधुनिक सुविधाएं होंगी। इनमें एयरोडायनेमिक एक्सटीरियर्स, सील्ड गैंगवेज, ऑटोमैटिक दरवाजे, क्लाइमेट कंट्रोल, सीसीटीवी के जरिए निगरानी, मोबाइल के चार्जिंग पॉइंट, बेहतर लाइट और फायर सेफ्टी सिस्टम शामिल होंगे। इसके अलावा वैष्णव ने एयर टाइट कार बॉडीज, हाई स्पीड प्रोपल्शन के साथ इलेक्ट्रिकल सिस्टम, एडवांस HVAC सिस्टम की भी जानकारी दी है।

पंजाब सरकार पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. दिल्ली-एनसीआर में पलूशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को फिर सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने कहा कि ग्रैप-4 की पाबंदियां 2 दिसंबर तक लागू रहेंगी और उस दिन सुनवाई में फैसला लिया जाएगा, इसे आगे बढ़ाया जाए या फिर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई जारी रखने की बात कही है और कहा कि यह गंभीर मसला है। इसलिए हम इस पर सुनवाई करते रहेंगे। यही नहीं बेंच ने पंजाब सरकार को भी फटकार लगाई और कहा कि एक मीडिया रिपोर्ट कहती है कि राज्य के अधिकारी किसानों को कह रहे हैं कि वे शाम को 4 बजे के बाद पराली जलाएं। ऐसा करने से वे सैटेलाइट की नजर में नहीं आएंगे। बेंच ने कहा कि ऐसा करना गलत है और अदालत के आदेश की अवमानना है। अदालत ने कहा कि हमें पलूशन से निपटने के लिए कोई स्थायी समाधान ही निकालना होगा। बेंच ने कहा, 'पंजाब सरकार अपने अधिकारियों को आदेश दे कि वे किसानों को ऐसी सलाह न दें कि 4 बजे के बाद पराली जलाई जा सकती है। ऐसा करना आदेश का उल्लंघन है।

संक्षेप...

बंद घर से लाखों के आभूषण चोरी

कल्याण. एक बहुमंजिली इमारत के सोलहवीं मंजिल के फ्लैट से 5 लाख 85 हजार रुपये कीमत के आभूषण और डायमंड चोरी किए जाने की घटना प्रकाश में आई हैं, फ्लैट धारक की शिकायत पर स्थानीय खड़कपाड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी घरफोडी का मामला दर्ज कर लिया हैं और आगे की तहकीकात की जा रही हैं,

कल्याण पश्चिम वायले नगर वर्टेक्स बिल्डिंग की 16 मंजिल पर फ्लैट नंबर 161 और 1602 निवासी डॉ. मंजूषा सुमित श्रीवास्तव (45) ने खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि 26 नवंबर की शाम करीब सवा 5 बजे से 27 नवंबर की सुबह सवा 11 बजे के दौरान कोई अज्ञात चोर किसी तरह फैट का दरबाजा खोल अंदर घुस गया और अलमारी की तिजौरी में रखे सोने के आभूषण और डायमंड जिनकी कीमत 5 लाख 85 हजार हैं, चुराकर अज्ञात चोर फरार हो गया, डॉ.मंजूषा श्रीवास्तव स्थानीय खड़कपाड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

देवेंद्र फडणवीस के डिप्टी नहीं बनेंगे एकनाथ शिंदे

- शिवसेना नेता शिरसाट ने बता दी पूरी प्लानिंग

मुंबई. महाराष्ट्र की नई बनने वाली सरकार में एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम नहीं होंगे। उन्होंने बुधवार को ही सीएम पद से अपना दावा छोड़ते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे, वह उन्हें और पूरी शिवसेना को स्वीकार होगा। तब से ही कयास लग रहे थे कि एकनाथ शिंदे अब डिप्टी सीएम होंगे, जबकि भाजपा से देवेंद्र फडणवीस अब मुख्यमंत्री हो सकते हैं। इस बीच शिवसेना के नेता संजय शिर्सात का कहना है कि एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे कैबिनेट का हिस्सा तो होंगे, लेकिन वह डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे।

शिवसेना के लीडर ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'एकनाथ शिंदे शायद डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे। ऐसी जिम्मेदारी एक ऐसे नेता पर फिट नहीं बैठती, जो मुख्यमंत्री रह चुका हो।' यही नहीं उन्होंने कहा कि शिवसेना की ओर से राज्य सरकार में किसी और नेता को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। हालांकि उनकी ओर से यह स्पष्ट नहीं किया कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना किसे डिप्टी सीएम बना सकती है। पार्टी के शीर्ष नेता एकनाथ शिंदे ही हैं। ऐसे में किसे डिप्टी सीएम बनाया जाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा। इस बार के विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 57 उम्मीदवार जीते हैं।

बता दें कि बुधवार की शाम को एकनाथ शिंदे ने मीडिया से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि मैं राज्य के मुख्यमंत्री से बड़ा पद लाडला भाऊ का मानता हूं, जो मुझे ढाई साल के कार्यकाल में जनता ने दिया है। उन्होंने कहा था कि मेरी पीएम नरेंद्र मोदी से बात हुई है। इस दौरान मैंने कहा कि यदि सरकार गठन में मेरे चलते कोई अवरोध है तो मैं अलग हट जाता हूं। उन्होंने कहा कि मैं नाराज नहीं हूं और ना ही अलग हूं। हम तो जनता के हितों के लिए लड़ने वाले लोग हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम पूरी मेहनत से जनता के हितों के लिए काम करेंगे। हम पीएम मोदी और अमित शाह पर फैसला छोड़ते हैं। वह जिसे भी सीएम बनाएंगे, हम उसे स्वीकार करेंगे।

फडणवीस बोले- एक बार सीएम तय हो जाए, सब ठीक हो जाएगा

इस बीच निवर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि राज्य में महायुति एकजुट है। उन्होंने कहा, 'एक बार मुख्यमंत्री तय हो जाने के बाद, वह व्यक्ति राज्य मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देगा।' फडणवीस ने बाद में नागपुर में कहा कि महायुति के घटक दल एकजुट हैं। उन्होंने कहा, 'सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाएंगे और हम अपने शीर्ष नेताओं के साथ बैठक करेंगे। यदि किसी को संदेह है तो एकनाथ शिंदे ने स्थिति स्पष्ट कर दी है।' उन्होंने कहा, '(एकनाथ) शिंदे साहब, (उपमुख्यमंत्री और राकांपा नेता) अजित दादा पवार और मैं साथ हैं। महायुति गठबंधन में कोई विवाद नहीं है। चुनाव से पहले हमने कहा था कि सभी निर्णय हमारे वरिष्ठ नेतृत्व के साथ मिलकर लिए जाएंगे। हम संयुक्त निर्णय लेंगे।'

विविध पेंशन वेतन योजना के लिए अधिकारी व कर्मचारी का प्रशिक्षण

ठाणे. जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में विविध पेंशन वेतन के सुविधा के लिए अधिकारी व कर्मचारी को जिला परिषद के सभागृह में प्रशिक्षण दिया गया। एनएसडीएल (प्रोटेन) कार्यालय सहायक प्रबंधक पदपर कार्यरत सुर्यकांत तरे ने उपस्थित सभी परिभाषित अंशदान पेंशन वेतन योजना (डी सीपीएस)राष्ट्रीय पेंशन वेतन प्रणाली (एन पीएस) योग्य पद्धति से करने के लिए मार्गदर्शन में किया इस अवसर पर मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी वैजनाथ बुरडकर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.प्र) अविनाश फडतरे, उप मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी अंजली अंबेकर सहित जिला के सभी पंचायत समिति के पेंशन योजना से संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

आवारा कुत्तों का नसबंदी, उपचार केंद्र शुरू

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर में चारों तरफ भटकते आवारा कुत्तों से लोगों का जीना मुहाल हो गया था.मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने जनहित मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए आवारा कुत्तों को पकड़ कर रखने,नसबंदी,रेबीज इंजेक्शन लगाने की जिम्मेदारी मे.वेट्स सोसाइटी फॉर वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट हैदराबाद की एनिमल संस्था को सौंपी है. आयुक्त अजय वैद्य ने ईदगाह रोड स्थित स्लाटर हाउस के पास करीब 30 लाख रुपए की निधि से निर्मित डॉग रिहैबिलिटेशन सेंटर केंद्र का उद्घाटन किया.उक्त मौके पर

अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, मुख्य लेखा वित्त अधिकारी रा.मा. सालुंके, सहायक संचालक नगररचना अजय कांबले, नियत्रंण अधिकारी (पर्यावरण) सुदाम जाधव, सहायक आयुक्त (आरोग्य) नितीन पाटील, आरोग्य विभाग प्रमुख जयवंत सोनवणे आदि उपस्थित थे.

सेंटर उद्घाटन संबोधन में मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने कहा कि, आवारा कुत्तों से लोग परेशान थे.कुत्तों के काटने से कई हादसे हुए.अब लोगों को परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा. एनिमल संस्था अब आवारा कुत्तों को पकड़कर सेंटर में रखना, कुत्ते के काटने पर रेबीज इंजेक्शन लगाना,लसीकरण,बीमार,

घायल कुत्तों का उपचार अंजाम देगी.एक कुत्ते के पीछे मनपा करीब 1,490 रुपए खर्च करेगी. जनहित समस्या के निराकरण हेतु मनपा की पहल का स्वागत नागरिक कर रहे हैं.

नामदेव शिम्पी समाज का वर-वधु सम्मेलन सम्पन्न

भिवंडी. ठाणे जिले के एकमात्र भिवंडी शहर स्थित ठाणगे अली मे विश्व संत शिरोमणि नामदेव महाराज के मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है. उक्त अवसर पर कल्याण के सभागृह में राज्यस्तरीय वर-वधू अभिभावक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सम्मेलन में बड़ी संख्या में दूल्हे और दुल्हनों ने भाग लिया.भिवंडी कल्याण, मुंबई नासिक पुणे, ठाणे डोंबिवली और अहमदाबाद सहित अन्य बड़े शहरों से पधारे महिलाओं और अभिभावकों ने अभिनव कार्यक्रम को सफल बनाया.राज्य स्तरीय वर बधू सम्मेलन में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जनसेना पार्टी के अध्यक्ष अशोक भाऊ खैरनार सहित ठाणे जिला नामदेव शिम्पी उन्नति मंडल के अध्यक्ष रवींद्र कोलेकर, नामदेव समाज भिवंडी अध्यक्ष महेंद्र मडकर, जिला समन्वयक भानुदास भसाले, कल्याण नामदेव शिम्पी उत्कर्ष मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत सारंगधर, बदलापुर शिम्पी समाज हितैषी संस्था अध्यक्ष संजय बोगले, शाहपुर नामदेव शिम्पी समाज के अध्यक्ष राजेंद्र मुले, वरिष्ठ पत्रकार शरद भसाले, मुरबाड शिम्पी समाज अध्यक्ष गणेश टीबे, जिला संयोजक गुरुनाथ मालवाडे, रोहित यावतकर, डॉ. राजन पोरे आदि समाज की गणमान्य हस्तियां उपस्थित रही. ठाणे जिला नामदेव समाज उन्नति मंडल ने अतिथियों एवं समाज बंधुओं से भिवंडी में संत नामदेव महाराज के मंदिर के जीर्णोद्धार में आर्थिक मदद करने का अनुरोध किया गया. सम्मेलन में नामदेव शिम्पी, अहीर, भावसार, वैष्णव एवं समस्त शिम्पी समाज के बन्धु, वर-वधु एवं वधू के माता-पिता ने भारी संख्या में सहभागी होकर सम्मेलन को सार्थक बनाने में अहम रोल निभाया. सम्मेलन को सफल बनाने के लिए ठाणे जिले के सभी शिम्पी समाज बंधु पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की.

भिवंडी मनपा : वार्ड अधिकारियों पर अचानक गिरी गाज

- पैसा लिया तो अवैध निर्माण तोड़ेंगे कैसे?
- भ्रष्ट अधिकारी,कर्मी अन्यत्र विभाग में ट्रांसफर की फिराक में

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक, आयुक्त अजय वैद्य द्वारा अवैध निर्माणों को चिन्हित कर 7 दिन में रिपोर्ट और डीपीएल पूर्ण कर 3 माह में तोड़क कार्यवाही के दिए फरमान से आर्थिक फायदा लेकर अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले सभी प्रभाग अधिकारियों की गर्दन बुरी तरह फंस चुकी है. क्षेत्रीय वार्ड आफिसर, बीट निरीक्षक आदि को मुंहमांगा पैसा देकर अवैध निर्माण करने वाले भूमाफिया, बिल्डर उनकी भ्रष्टाचार की पोल खोलने की धमकी देने लगे हैं.अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले भ्रष्ट वार्ड अधिकारियों को अब आयुक्त के आदेश का पालन कैसे करें कुछ सूझ नहीं रहा है. कुछ अधिकारी,कर्मचारी प्रभाग कार्यालय से अन्यत्र ट्रांसफर की फिराक में जुगाड बैठाने में लगे हैं.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा अंतर्गत 1 से 5 प्रभाग समितियों में करीब 250 से अधिक अवैध इमारतों का निर्माण कुछ पूर्व जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय वार्ड अधिकारियों के संरक्षण में शुरू है.मनपा नगर रचना विभाग की बगैर मंजूरी से हो रहे अवैध निर्माण की वजह से मनपा राजस्व का करोड़ों रूपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है. लोगों का कहना है कि,मनपा

क्षेत्रीय अधिकारी खुलेआम अवैध निर्माण को संरक्षण देकर लाखों रुपए बटोर कर मालामाल हो गए हैं.शहर में चहुंओर हुए अवैध निर्माण से अब शहर विकास लायक भी नहीं बचा है. मनपा राजस्व का भारी नुकसान करने वाले बिल्डर, भूमाफिया क्षेत्रीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को जेब भरकर अवैध निर्माण कर मनपा तिजोरी सहित शहर सुंदरता को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं.आश्चर्यजनक है कि,हाईकोर्ट के सख्त आदेशों के बाद भी भिवंडी शहर अवैध निर्माण पर कोई अंकुश लगाता दिखाई नहीं पड़ रहा है.

मनपा आयुक्त की सख्ती से मचा बवाल

मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके,उपायुक्त रोहिदास दोरुलकर सहित सभी प्रभाग अधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध निर्माण रोकने एवं जल्द तोड़ने हेतु कार्ययोजना बनाए जाने के सख्त निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं.आयुक्त वैद्य के सख्त आदेश के बाद तमाम भ्रष्ट अधिकारी,कर्मचारी के पैरों तले से जमीन खिसक गई है.दिलचस्प है कि,मनपा क्षेत्रीय अधिकारी, बीट निरीक्षक आदि की टीम जिस बिल्डर से पैसा लेकर अवैध निर्माण को संरक्षण दिए अब उसे जमींदोज कैसे करें यह सोचकर ही रात की नींद हराम हो गई है.मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने अवैध निर्माण में लिप्त भ्रष्ट अधिकारी,कर्मचारी पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी है.

मनपा आयुक्त के सख्त रवैए को देखकर कुछ प्रभाग अधिकारी, बीट निरीक्षक ट्रांसफर की खातिर मनपा आयुक्त कार्यालय के सामने घूमते दिखाई पड़ने लगे हैं.शहरवासियों का कहना है कि,अवैध निर्माणों पर शुरू तोडू कार्यवाही शहर विकास के सर्वथा हित में है.प्रशासक राज में शहर को स्वच्छ,सुंदर एवं अवैध निर्माण मुक्त सहित अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन मनपा प्रशासक अजय वैद्य को करना चाहिए.

अवैध निर्माण में लिप्त किसी भी भ्रष्ट अधिकारी,कर्मी को कदापि बख्शा नहीं जाएगा .अवैध निर्माण को जमींदोज करेंगे और बिल्डर के खिलाफ पुलिस में आपराधिक मामला दाखिल कराया जाएगा .शहरवासी अवैध इमारतों में मकान,दुकान खरीदकर अपना आर्थिक नुकसान कतई न करें . मनपा द्वारा मंजूर बिल्डिंग प्रोजेक्ट में ही घर,दुकान की खरीदी की जानी चाहिए .

-अजय विलास वैद्य
प्रशासक,आयुक्त भिवंडी मनपा

विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर

कल्याण. 10 वीं और 12 वीं परीक्षा के विद्यार्थियों को इस महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना करते समय धैर्य रखना चाहिए. इसके लिए 9वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक आचार्य अत्रे रंगमंदिर कल्याण पश्चिम में निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है.

उल्हासनगर में संविधान निर्माण का अमृत महोत्सव

- संविधान की 4.5 फीट ऊंची प्रतिकृति का अनावरण

उल्हासनगर. भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के गौरवशाली क्षण का उल्हासनगर में जश्न मनाया गया. उल्हासनगर मनपा और बोधि फाउंडेशन के सहयोग से संविधान निर्माण का अमृत महोत्सव मंगलवार को शहीद जनरल अरुण कुमार वैद्य हॉल (टाउन हॉल) में आयोजित किया गया। संविधान की समृद्ध विरासत का जश्न मनाते हुए, यह कार्यक्रम नागरिकों के लिए भारतीय संविधान के महत्व के बारे में एक शैक्षिक और प्रेरणादायक अनुभव था।

कार्यक्रम की भव्य शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों की उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ी। दीप प्रज्ज्वलन हेतु प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं औषधि दिनेश वाघमारे (भा.पु.से.), पूर्व न्यायाधीश सी.एल. थुल, मनपा प्रशासक और आयुक्त विकास ढाकने, विधायक सुलभा गायकवाड़ और बोधि फाउंडेशन की निदेशक अर्चना खोबरागड़े उपस्थित थे। शहरी नियोजन के सहायक निदेशक डॉ द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। ललित खोबरागड़े के मार्गदर्शन में किया गया। तत्पश्चात संविधान की 4.5 फीट ऊंची प्रतिकृति का भव्य अनावरण दिनेश वाघमारे एवं मा. सी.एल. यह थुले द्वारा किया गया था। इस अनूठी प्रतिकृति ने उपस्थित लोगों को संविधान के महत्व से अवगत कराया।

मुख्य अतिथि ने भारत के संविधान पर आधारित अपने विचार प्रस्तुत किये। सी.एल. थोले ने संविधान में मौलिक अधिकारों और उसके महत्व को समझाकर दर्शकों को प्रेरित किया। साथ ही दिनेश वाघमारे ने संविधान निर्माण प्रक्रिया के ऐतिहासिक महत्व पर भी चर्चा की. नगर निगम प्रशासक एवं आयुक्त विकास ढाकने ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारतीय संविधान के आदर्श मूल्यों के आधार पर अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों पर जोर दिया।

मुंबई विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालयीन बॉल बैडमिंटन स्पर्धा में

SST महाविद्यालय का दबदबा

उल्हासनगर. डोंबिवली स्थित एसआईए कॉलेज में आयोजित ₹मुंबई विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालयीन बॉल बैडमिंटन स्पर्धा₹ में एस एस टी कॉलेज के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी छाप छोड़ी है। इस प्रतियोगिता में कॉलेज की लड़कों की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना वर्चस्व साबित किया, जबकि लड़कियों की टीम ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी मेहनत और कौशल का परिचय दिया।

लड़कों और लड़कियों की टीम के खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और शानदार टीम भावना के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने खेल में तकनीकी कौशल, सटीक रणनीति और जज्बे से दर्शकों और जजों का दिल जीत लिया। यह जीत एस एस टी महाविद्यालय के प्राचार्य, खेल शिक्षक और प्रशिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से संभव हुई, ऐसा विजेता खिलाड़ियों ने कहा।

इस सफलता पर महाविद्यालय ने खिलाड़ियों का अभिनंदन किया और उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

कोर्ट के आदेश के बाद दहेज हत्या का मामला दर्ज

नवी मुंबई. खारघर में एक महिला की मौत के लगभग दो साल बाद, मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के पनवेल मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के बाद खारघर पुलिस को दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा। खारघर पुलिस स्टेशन के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजीव शेजवाल इस मामले में संज्ञान लेने में विफल रहे थे। जानकारी के अनुसार पिछले साल आत्महत्या करने वाली 29 वर्षीय महिला के परिवार को पुलिस द्वारा मृतक के ससुराल वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई जब नहीं की गयी उसके बाद मृतक के परिजनों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस बारे में मृतक के भाई बालेन्द्र ने बताया कि 20 अप्रैल, 2023 को सेक्टर 12 की रहने वाली 29 वर्षीय मिथिलेश उर्फ पूजा अंजनी द्विवेदी को उनके अपार्टमेंट में छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया था। पुलिस ने तब एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। महिला का परिवार उसे इतना बड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर करने के आरोप में उसके ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने पर जोर दे रहा था। लेकिन खारघर पुलिस कोई भी कार्रवाई करने में देरी करती रही और हमारे पास अदालत में मामला दर्ज करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। उनके अनुसार, उनकी बहन को उसके पति और ससुराल वाले दहेज और गर्भधारण न करने के लिए हमेशा प्रताड़ित करते थे। पूजा की पांच साल से अधिक समय पहले हुई थी। परिवार ने आरोप लगाया है कि मरने से कुछ घंटे पहले उसने अपने पिता को फोन करके बताया था कि उसके ससुराल वाले उसे उसकी ननद की शादी के लिए पैसे और सोना लाने के लिए मजबूर कर रहे थे।

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

ऐश्वर्या राय ने हटाया बच्चन सरनेम!

- दुबई इवेंट में हुई थीं शामिल
- अभिषेक के साथ तलाक लेने की अटकलें तेज

ऐश्वर्या राय के दुबई इवेंट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके नाम के आगे बच्चन सरनेम नहीं लगा हुआ है। इस वीडियो के सामने आते ही यह अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या सच में ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन तलाक लेने वाले हैं।

सामने आए इस वीडियो पर फैंस तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है- उन्हें अपने नाम के साथ किसी सरनेम की जरूरत नहीं है। वह केवल और केवल ऐश्वर्या राय हैं।

वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा- बच्चन के बिना उनकी अपनी पहचान है।

क्या प्रोफेशनल वजहों के कारण हटा सरनेम

हालांकि ऐश्वर्या राय के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर अभी भी उन्होंने बच्चन सरनेम लगाया हुआ है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सरनेम हटाने की वजह से जो तलाक की खबरों ने तूल पकड़ा है, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। दुबई के इस इवेंट में प्रोफेशनल वजहों के कारण एक्ट्रेस के पहले नाम का इस्तेमाल किया गया है। ऐश्वर्या दुबई में ग्लोबल वुमेन फोरम कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंची थीं। यहां उन्होंने महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे पर बात की। वहीं, उन्होंने तलाक की खबरों पर चुप्पी बनाए रखी। इस दौरान एक्ट्रेस के लुक की भी तारीफ हुई।

ऐश्वर्या-अभिषेक के तलाक की खबरों के बीच अमिताभ ने किया था पोस्ट

ऐश्वर्या-अभिषेक की तलाक की खबरों के बीच अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने परिवार और निजी मुद्दों को अपने ब्लॉग में शेयर किया था। उन्होंने लिखा था, 'मैं परिवार के बारे में बोलने से बचता हूं, लेकिन कुछ लोग इन मुद्दों को अपने फायदे के लिए उड़ाते हैं।' अमिताभ ने पोस्ट में बेटे-बहू का जिक्र तो नहीं किया था, लेकिन उनकी पोस्ट को तलाक के मुद्दे से जोड़ा जा रहा था।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099